

न्यायालय राजस्व अपील प्राधिकारी बाड़मेर

पीठासीन अधिकारी प्रतिष्ठा पिलानिया आर ए एस
राजस्व अपील / 225 / रा.का.अधि. / 62 / 2021 / बाड़मेर
अपीलांत

रेस्पोडेंटगण

सुरताराम पुत्र रूगाराम कायम मुकाम	
1. देराजराम पुत्र सुरताराम	1. पदमाराम पुत्र वांकाराम
2. हिमथाराम पुत्र सुरताराम	2. देराजराम पुत्र पदमाराम
जाति जाट निवासी कोठे का	3. वीरमाराम पुत्र पदमाराम
तला, धारासर तहसील	4. नारणाराम पुत्र वांकाराम
चौहटन जिला बाड़मेर	5. ठाकराराम पुत्र देदाराम
	6. गोरखाराम पुत्र देदाराम
	7. अमराराम पुत्र देदाराम
	8. जमना पत्नी देदाराम
	उतरदाता संख्या 6 व 7
	नावालिंग जरिये कुदरती
	वलिया माता जमना पत्नी
	देदाराम उतरदाता संख्या 8
	9. सताराम पुत्र मूलाराम
	10. मोडाराम पुत्र मूलाराम
	11. प्रहलादराम पुत्र निम्बाराम
	12. नेनूराम पुत्र निम्बाराम
	13. देवाराम पुत्र निम्बाराम
	14. अर्जनराम पुत्र निम्बाराम
	15. जुगताराम पुत्र निम्बाराम
	16. खेराजराम पुत्र निम्बाराम
	17. दीपाराम पुत्र निम्बाराम
	18. पेमी पुत्री निम्बाराम
	19. पारू पुत्री निम्बाराम
	20. सताराम पुत्र लाखाराम
	21. तुलसाराम पुत्र रूगाराम जाति
	जाट निवासी कोठे का तला,
	धारासर तहसील चौहटन
	जिला बाड़मेर
	22. श्रीमान तहसीलदार चौहटन

अपील अन्तर्गत धारा 225 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955
विरुद्ध सहायक कलक्टर एवं उपखण्ड अधिकारी चौहटन द्वारा राजस्व
आवेदन संख्या 10/2020 बअनवान पदमाराम वगै बनाम नारणाराम
वगै. में पारित आदेश दिनांक 30.07.2021 के विरुद्ध पेश हुई।

उपस्थित

1. वकील श्री बांकाराम चौधरी अपीलान्त की ओर से।
2. वकील श्री वीरमाराम धारासर रेस्पोडेण्ट संख्या 01 से 03 की ओर से।

Bin
राजस्व अपील प्राधिकारी
बाड़मेर

3. वकील श्री जगदीश चौधरी रेस्पोंडेंट संख्या 06 से 10 व 21 की ओर से।

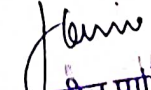
निर्णय

दिनांक:—07.09.2022

अपील के संक्षिप्त तथ्य इस प्रकार है कि उत्तरदाता संख्या 01 से 03 ने अधीनस्थ न्यायालय के समक्ष एक प्रार्थना-पत्र अन्तर्गत धारा 251 क राजस्थान काश्तकारी अधिनियम के तहत एक आवेदन दिनांक 12.02.2020 को इस आशय का पेश किया कि प्रार्थीगण की खातेदारी भूमि खसरा नम्बर 771/431 रकबा 22.10 बीघा व खसरा नम्बर 417 रकबा 14.10 बीघा ग्राम कोठे का तला पटवार क्षेत्र धारासर तहसील चौहटन में अवस्थित है। जिससे लगता हुआ विप्रार्थीगण का खातेदारी खेत खसरा नम्बर 770/431, 769/431, 428, 741/419, 742/419 प्रार्थीगण के खेत एवं सड़क के मध्य पड़ता है। प्रार्थीगण को सड़क तक पहुंचने के लिये विप्रार्थीगण के उक्त खेत में से चलने वाली कदीमी प्रचलित रास्ते से होकर गुजरना पड़ता है। वरसात के मौसम में विप्रार्थीगण अपनी अन्य भूमि के साथ साथ रास्ते की भूमि पर भी काश्त कर लेते हैं, जिससे प्रार्थीगण का आवागमन अवरुद्ध हो जाता है। अधीनस्थ न्यायालय द्वारा अपीलांतगण को सुनवाई का समुचित अवसर दिये बिना तथा निकटतम रास्ते के विकल्प का अभाव सिद्ध किये बिना अपीलाधीन आलोच्य आदेश पारित किया गया। अधीनस्थ न्यायालय द्वारा अपीलाधीन निर्णय विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया के विरुद्ध जाकर पारित किया गया जो प्राकृतिक न्याय सिद्धांत के खिलाफ है, जिसके विरुद्ध हस्तगत अपील पेश की गई।

पत्रावली दर्ज रजिस्टर की जाकर रेस्पोंडेंट को जरिये सम्मन तलब किया गया। अधीनस्थ न्यायालय की पत्रावली तलब की गई। उपस्थित तीनों विद्वान अधिवक्ताओं की पत्रावली पर वहस सुनी गई।

वकील अपीलांत ने अपनी वहस में बताया कि अधीनस्थ न्यायालय द्वारा अपीलांतगण के नाम से जारी सम्मनों पर व्यक्तिगत तामील नहीं करवाई गई। तामील कुन्निदा अपीलांत का नोटिस लेकर उसके घर कभी नहीं आया तथा न ही उसे इस नोटिस के बारे में कोई सूचना नहीं दी गई तथा न ही अपीलांत ने नोटिस कभी इन्कार किया तथा अधीनस्थ न्यायालय की आदेशिका दिनांक 10.03.2021 के अनुसार विप्रार्थी संख्या 12, 18 से 20 के तलबी हेतु पुनः नोटिस पेश करने हेतु प्रार्थीगण को आदेशित किया गया था जिस पर प्रार्थीगण ने पुनः नोटिस पेश ही नहीं किये। कोविड-19 के कारण न्यायालय में कोई नियमित कार्यवाही नहीं हुई तथा विप्रार्थी सुरताराम का दिनांक 26.11.2020 को देहान्त हो गया तथा सुरताराम की फौतगी की सूचना प्रार्थीगण द्वारा अधीनस्थ न्यायालय में पेश नहीं की गई तथा न


राजेश चौधरी
अपील प्राधिकारी
बाड़मेर

ही मृतक पक्षकार के कायम मुकाम को रिपोर्ट पर लिया गया। अधीनस्थ न्यायालय द्वारा अपीलाधीन आदेश मृतक पक्षकार के विरुद्ध पारित किया गया। अधीनस्थ न्यायालय द्वारा अपीलाटगण को सुनवाई का समुचित अवसर नहीं दिया गया। अधीनस्थ न्यायालय द्वारा अपीलाधीन जिस मौका रिपोर्ट को ध्यान में रखते हुए पारित किया उक्त मौका रिपोर्ट अपीलाट की अनुपस्थिति में एकपक्षीय रूप से तैयार की गई। अधीनस्थ न्यायालय द्वारा अपीलाट को सुनवाई का समुचित अवसर दिये बिना तथा निकटतम सारते के विकल्प का अभाव सिद्ध किये बिना अपीलाधीन आलोच्य आदेश पारित किया गया। अतः अपीलाटगण की अपील को स्वीकार फरमाया जावे।

रेसपोर्ट संख्या 01 से 03 के अधिवक्ता ने बहस करते हुए बताया कि अधीनस्थ न्यायालय द्वारा जो मौका रिपोर्ट मंगवाई गई उसके आधार पर रेसपोर्ट/प्रार्थी के खातेदारी भूमि में आने-जाने के लिए इस सारते के अलावा कोई वैकल्पिक सारता उपलब्ध नहीं है। रेसपोर्ट को उक्त सारते की अत्यंत आवश्यकता है। सारता रेसपोर्ट/प्रार्थी की मूलभूत आवश्यकता है जिसका प्रावधान राजस्थान काश्तकारी अधिनियम की धारा 251 ए में किया गया है। अधीनस्थ न्यायालय द्वारा अपीलाट को सुनवाई का समुचित अवसर दिया गया। अधीनस्थ न्यायालय द्वारा अपीलाधीन आदेश विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया का पालन करते हुए पारित किया गया। अतः अपीलाट की अपील खारिज कर अधीनस्थ न्यायालय द्वारा पारित निर्णय को यथावत रखा जावे।

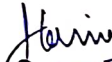
रेसपोर्ट संख्या 06 से 10 व 21 के अधिवक्ता ने बहस करते हुए बताया कि अधीनस्थ न्यायालय द्वारा उभयपक्षकारान को सुनवाई का समुचित अवसर नहीं दिया गया। अधीनस्थ न्यायालय द्वारा अपीलाधीन आदेश विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया का पालन किये बिना पारित किया गया। अतः अपीलाटगण की अपील को स्वीकार फरमाया जाता है तो हम रेसपोर्ट्स को कोई आपत्ति नहीं है।

पत्रावली का ध्यानपूर्वक अवलोकन किया गया। उभयपक्ष के विद्वान अधिवक्ताओं की बहस पर मनन किया। अधीनस्थ न्यायालय द्वारा अपीलाधीन आदेश मृतक पक्षकार के विरुद्ध पारित किया गया जो प्रारम्भ से ही शून्य है। अधीनस्थ न्यायालय द्वारा अपीलाटगण को सुनवाई का समुचित अवसर नहीं दिया गया। अधीनस्थ न्यायालय द्वारा जिस मौका फर्द को ध्यान में रखते हुए पारित किया गया उक्त मौका फर्द को तैयार करते वक्त अपीलाटगण को किसी प्रकार की कोई सूचना नहीं दी गई जो विधि सम्मत नहीं है। अधीनस्थ न्यायालय द्वारा रेसपोर्ट्स/प्रार्थी की खातेदारी भूमि तक पहुंचने के लिए निकटतम सारते के विकल्प

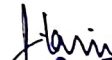
राजस्व अपील प्राधिकारी
बाइमेर

का अभाव सिद्ध किये बिना अपीलाधीन आलोच्य आदेश पारित किया गया। अधीनस्थ न्यायालय द्वारा अपीलाधीन आदेश विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया का पालन किये बिना पारित किया गया जो विधि सम्मत नहीं है। अधीनस्थ न्यायालय द्वारा पत्रावली पर उपलब्ध दस्तावेजाता अवलोकन किये बिना जल्दवाजी में अपीलाधीन आदेश पारित किया गया जो प्राकृतिक न्याय सिद्धांत के खिलाफ है। उपरोक्त विवेचन एवं तथ्यों के आलोक में अपीलांतगण की अपील रिमाण्ड करने योग्य ठहरती है।

लिहाजा अपील अपीलांतगण स्वीकार की जाती है तथा अधीनस्थ न्यायालय सहायक कलक्टर एवं उपखण्ड अधिकारी चौहटन द्वारा राजस्व आवेदन संख्या 10/2020 बअनवान पदमाराम वगै बनाम नारणाराम वगै. में पारित आदेश दिनांक 30.07.2021 को अपास्त किया जाकर मामला अधीनस्थ न्यायालय को इस निर्देश के साथ प्रतिप्रेषित किया जाता है कि उभयपक्षकारान को सुनवाई का समुचित अवसर देते हुए लघुतम कटाण मार्ग देने की कार्यवाही कर तीन माह में विधि सम्मत निर्णय पारित करे। उभयपक्षकारान अधीनस्थ न्यायालय के समक्ष सुनवाई हेतु दिनांक 14.11.2022 को उपस्थित हो। अधीनस्थ न्यायालय का अभिलेख मय निर्णय प्रति के लौटाया जावे।


(प्रतिस्विकृत अपीलानिया)
~~राजेश चौधरी~~ प्राधिकारी
बाड़मेर

यह आदेश आज दिनांक 07.09.2022 को लिखाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।


राजेश चौधरी प्राधिकारी
बाड़मेर